विचार, समन्वय एवं परिवर्तन के तीर्थ
ज्ञान केन्द्र

लोकव्यवस्था जागरण अभियान

ज्ञानयज्ञ परिवार आश्रम रामानुजगंज छ॰ग॰ 497220

प्रभारी : ज्ञानेन्द्र आर्य
8318621282

ज्ञानकेन्द्र प्रांतीय अधिवेशन
अयोध्या 25-26 जुलाई 2026

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

DATE : 21-07-2026

लोकव्यवस्था जागरण अभियान के अंतर्गत 25-26 जुलाई को अयोध्या में होगा ज्ञान केंद्र प्रांतीय अधिवेशन समाज की स्वशासी शक्ति के जागरण और लोकशक्ति के संगठन पर होगा मंथन

अयोध्या। मां संस्थान एवं ज्ञान यज्ञ परिवार के संयुक्त तत्वावधान में "लोकव्यवस्था जागरण अभियान" के अंतर्गत ज्ञान केंद्र प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन आगामी 25 एवं 26 जुलाई 2026 को विवेक सृष्टि, रामघाट, रामसेवकपुरम, अयोध्या धाम में किया जाएगा। इस अधिवेशन में पूर्वी एवं मध्य उत्तर प्रदेश के 35 जिलों के ज्ञान केंद्र संचालक, विभिन्न राज्यों से जुड़े प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं चिंतक सहभागी होंगे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आयोजकों ने बताया कि यह अधिवेशन किसी राजनीतिक दल अथवा धार्मिक संगठन का सम्मेलन नहीं, बल्कि समाज की स्वशासी शक्ति के जागरण, लोकशक्ति के संगठन तथा राज्य-निर्भरता को कम करने की दिशा में चल रहे राष्ट्रीय जनजागरण अभियान का महत्वपूर्ण चरण है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में नोएडा में आयोजित मां संस्थान के वैचारिक शिविर में यह निर्णय लिया गया था कि व्यवस्था परिवर्तन के तीनों आयामों पर योजनाबद्ध कार्य करने के लिए देशभर में ज्ञान केंद्रों की स्थापना की जाएगी। इन ज्ञान केंद्रों को "संवाद, समन्वय एवं परिवर्तन के तीर्थ" के रूप में विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पिछले दो वर्षों में ओडिशा, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में लगभग 200 ज्ञान केंद्र स्थापित एवं सक्रिय किए जा चुके हैं।

आयोजकों ने कहा कि लोकव्यवस्था जागरण अभियान का मूल उद्देश्य समाज की स्वशासी शक्तियों को पुनर्जीवित करना है, ताकि व्यक्ति, परिवार और समाज अपने स्वाभाविक दायित्वों का निर्वहन स्वयं कर सकें। अभियान का विश्वास है कि सशक्त समाज ही उत्तरदायी शासन की आधारशिला है। इसी विचार को "तंत्र मुक्त संविधान, युक्त समाज व्यवस्था" के सूत्र में अभिव्यक्त किया गया है।

अधिवेशन के दौरान ज्ञान केंद्रों की कार्यपद्धति, समाज में वैचारिक जागरण, संवाद संस्कृति के विकास, संस्थागत ढांचे, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत विचार-विमर्श होगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा

25 जुलाई 2026

- प्रातः 9:30 बजे उद्घाटन सत्र
- ग्लोब पर माल्यार्पण एवं ध्वजारोहण
- स्वागत एवं परिचय
- अपराह्न 3:00 बजे "व्यवस्था परिवर्तन क्यों? और ज्ञान केंद्र की भूमिका" विषय पर वैचारिक गोष्ठी।

26 जुलाई 2026

- प्रातः 9:30 बजे से संस्थागत विकास एवं कार्ययोजना सत्र।
- ज्ञान केंद्रों की कार्यप्रणाली, प्रत्यक्ष उदाहरणों, समूह चर्चा तथा संस्था के सहयोगी कार्यक्रमों पर विचार।
- अपराह्न 3:00 बजे समीक्षा एवं समापन गोष्ठी, आगामी कार्यक्रमों की घोषणा तथा प्रतिभागियों की विदाई।

आयोजकों ने बताया कि अधिवेशन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था संस्थान द्वारा की गई है। कार्यक्रम से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए विशेष व्हाट्सएप समूह भी संचालित किया जा रहा है।

समाज के सभी प्रबुद्ध नागरिकों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों से इस वैचारिक अभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया। पत्रकार वार्ताकार के रूप में ऋषिकेश के समाज विज्ञानी ब्रिजेश रॉय, मेरठ से नरेन्द्र सिंह और सुल्तानपुर से संजय तिवारी ने प्रश्नों के उत्तर दिए.

संपर्क:
📞 8318621282
✉️ gyanyagyap@gmail.com
🌐 margdarshak.info

भवदीय
ज्ञानेन्द्र आर्य
ज्ञान यज्ञ परिवार

विचार, समन्वय एवं परिवर्तन के तीर्थ
ज्ञान केन्द्र

लोकव्यवस्था जागरण अभियान

MARGDARSHAK
मार्गदर्शक
"शराफत से समझदारी की ओर"

समाज की स्वशासी शक्ति के जागरण और राज्य-निर्भरता से मुक्ति का अभियान।

ज्ञान केंद्र प्रांतीय अधिवेशन 2026

25-26 जुलाई 2026

अयोध्या धाम, उत्तर प्रदेश

विवेक सृष्टि : रामघाट निकट रामसेवकपुरम अयोध्या उ. प्र.

हर तहसील में ज्ञान केंद्र, समाज में संवाद और परिवर्तन

अधिवेशन के प्रमुख उद्देश्य

- लोकव्यवस्था परिवर्तन के तीनों आयामों पर कार्यरत कार्यकर्ताओं का वैचारिक एवं संगठनात्मक समन्वय।
- ज्ञान केंद्रों को "विचार,समन्वय एवं परिवर्तन के तीर्थ" के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना।
- समाज में वैचारिक जागरण, रचनात्मक संवाद एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देना।
- पूर्वी एवं मध्य उत्तर प्रदेश में ज्ञान केंद्र विस्तार अभियान की समीक्षा एवं भावी रणनीति निर्माण।
- जिला, तहसील एवं स्थागीय स्तर पर संस्थागत संरचना को सुदृढ़ करना।
- कार्यकर्ताओं का वैचारिक, संगठनात्मक एवं क्रियात्मक प्रशिक्षण।
- समाज जीवन की विविध चुनौतियों पर संवाद तथा समाधान-केंद्रित पहल को प्रोत्साहित करना।
- राष्ट्रव्यापी ज्ञान केंद्र नेटवर्क के निर्माण हेतु अनुभव, संसाधन एवं कार्यपद्धति का आदान-प्रदान।
- आगामी वर्षों के लिए लोकव्यवस्था जागरण अभियान की कार्ययोजना निर्धारित करना।
- "हर तहसील में ज्ञान केंद्र" लक्ष्य की दिशा में ठोस कार्यनीति एवं उत्तरदायित्व निर्धारण।

लोकव्यवस्था जागरण अभियान का उद्देश्य

हमारी आर्थिक धार्मिक सामाजिक पारिवारिक सहित सब प्रकार की व्यवस्थाओं में अनेक प्रकार की कमजोरियां आई हैं और इन्ही हमारी समाज व्यवस्था की कमजोरी का लाभ उठाकर राज्य व्यवस्था ने हमें पूरी तरह गुलाम बना लिया है। इसलिए हम अपनी समाज व्यवस्था की आई कमजोरी को भी दूर करने की कोशिश करेंगे, लेकिन हम राज्य व्यवस्था की गुलामी से मुक्त होने को सबसे अधिक प्राथमिकता देंगे।

कार्यक्रम की रूपरेखा

25 जुलाई 2026

प्रातः 9:30 बजे :उद्घाटन सत्र
- ग्लोब पर माल्यार्पण
- ध्वजारोहण
- स्वागत एवं परिचय
- अधिवेशन की भूमिका

अपराह्न 3:00 बजे :वैचारिक गोष्ठी
विषय: व्यवस्था परिवर्तन क्यों?
- वर्तमान व्यवस्था की चुनौतियाँ
- व्यवस्था परिवर्तन की आवश्यकता
- ज्ञान केंद्र की भूमिका
- संवाद, समन्वय एवं परिवर्तन का मॉडल
- प्रश्नोत्तर एवं समूह चर्चा

26 जुलाई 2026

प्रातः 9:30 बजे से मध्याह्न भोजन तक
संस्थागत विकास एवं कार्ययोजना सत्र
- ज्ञान केंद्रों के संस्थागत ढांचे पर चर्चा
- प्रत्यक्ष उदाहरण एवं चर्चा से समाधान
- संस्था के अन्य कार्यक्रमों का परिचय
- समूह चर्चा एवं कार्ययोजना निर्माण

अपराह्न 3:00 बजे
:समीक्षा एवं समापन गोष्ठी
- अधिवेशन की समीक्षा
- आगामी कार्यक्रमों की योजना
- सुझाव, संकल्प एवं उत्तरदायित्व निर्धारण

व्हाट्सएप समूह

कार्यक्रम से संबंधित सूचनाओं एवं अद्यतनों के लिए
QR को स्कैन करें।
WhatsApp कैमरे से स्कैन करते ही आप अधिवेशन समूह से जुड़ जाएंगे।

विशेष सूचना

सभी प्रतिभागियों हेतु आवास एवं भोजन की व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी।

संपर्क

8318621282
gyanyagyap@gmail.com
margdarshak.info

आयोजक

GYANAYAGYA ज्ञानयज्ञ परिवार
मां संस्थान
ज्ञान यज्ञ परिवार

अभियान के नेतृत्व में

संजय तिवारी | अनोखे लाल | संतोष मखड़िया | ज्ञानेंद्र आर्य | नरेंद्र सिंह | बहादुर सिंह | मोहन गुप्ता